in the cost of projects, difficulties in land acquistion and non-availability of scarce construction material at times.

Statement

SI. NO .	Name of Project		(Rs. Cores) Expenditure
		Major Projects	
1.	Mahanadi Delta		70-47
2.	Salandi	*Medium Projects*	16-62
1.	Dahuka		1.47
1.	Saipala		2-11
3.	Kalo .		6.34
4.	Ramanadi		0.83
5.	Nesa .		1.33
6.	Khadakai		6-99
7.	Daha*		14-85

*Some expenditure is being incurred in the Seventh Plan for meeting spill-over liabilities.

दिल्ली पुलिस के कार्मिकों को भोजन-भत्ते

1490. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि दिल्ली पुलिस में अधिकांश कार्मिकों को प्रतिदिन 8 घंटे से अधिक समय पर ड्यूटी पर तैनात रखा जाता है परन्तु इसके बदले में उन्हें 10 रुपये प्रति दिन के हिसाब से एक वर्ष में केवल एक मास का भोजन-भत्ता प्रदान किया जाता है जब कि 10 रुपये प्रति दिन के हिसाब से दिया जाने वाला यह भोजन-भत्ता बढ़ाकर दुगना कर दिया जाना चाहिए ;

(ख) यदि उपयुक्त भाग (क) का उत्तर "हां" हो तो उसके क्या कारण है और क्या सरकार का 10 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से पूरे वर्ष के लिए भोजन भत्ते का भुगतान किये जाने का कोई प्रस्ताव है ; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं तो उसके क्या कारण है ?

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. चिदम्बरम्) : (क) पुलिस कार्मिकों को सामान्यतः 8 घंटे की ड्यूटी पर तैनात किया जाता है । फिर भी, कार्य की अत्यावश्यकता होने पर कभी-कभी उनको लगातार 8 घंटे से अधिक समय के लिए तैनात किया जाता है । कांस्टेबल से सहायक उपनिरीक्षक तक के स्तर के पुलिस कार्मिकों को प्रतिदिन 10 रुपए भोजन भत्ता दिया जाता है । यह एक वर्ष में 25 दिन तक के लिए सीमित है ।

इसके अतिरिक्त लम्बे समय की ड्यूटी और छुट्टी के दिनों में कार्य पर लगाने के लिए पुलिस कार्मिकों को प्रतिवर्ष एक महीने का वेतन भी दिया जाता है ।

(ख) और (ग) : ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है ।